नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 27.09.2021

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में हिन्दी विभाग द्वारा **'साहित्य क्या है?'** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के आचार्य **प्रो. विमलेश मिश्र** ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि साथ होना, सुख–दुख में सम्मिलित होना, सहयोग करना, साथ चलना आदि भावों को पैदा करने का कार्य साहित्य करता है। साहित्य सहयोग करने का विवेकपूर्ण चिन्तन देता है। मनुष्य को एक बेहतर सृजनशील प्राणी बनाने के लिए चेतना एवं संवेदना का विकास करता है। साहित्य मनुष्य को मशीन और यन्त्र बनने से बचाता है। जब–जब यंत्रीकरण अथवा मशीनीकरण का विनाशकारी प्रभाव मनुष्य पर पड़ेगा, तब–तब साहित्य उपयोगी एवं लाभकारी होगा। साहित्य बुद्धि को परिष्कृत कर मानव को संस्कारवान बनाता है तथा उसे आनन्द की अनुभूति प्रदान करता है। प्रीति, कीर्ति एवं नीति पैदा करना साहित्य का उद्देश्य है। साहित्य सुन्दर और सत्य की भी बात करता है।

प्रो. मिश्र ने यह भी कहा कि साहित्य असुन्दर में भी सुन्दरता देखता है। यह राजा के महल से लेकर रंक की झोपड़ी तक, पहाड़ की ऊचाईयों से लेकर समुद्र की गहराई तक, शहर की चमक से लेकर गाँव के सरल जीवन तक और सभ्य से लेकर असभ्य तक में सुन्दरता देखता है। प्रो. मिश्र ने साहित्य की उपयोगिता बताते हुए कहा कि साहित्य रोजगार परक होने की ओर बढ़ रहा है लेकिन चिंता की बात यह भी है कि ऐसा होने पर जीवन मूल्य का ह्रास भी हो सकता है। क्योंकि साहित्य मनुष्य को सहज, सरल, संवेदनशील, विवेकवान, ज्ञानवान, व्यवहारकुशल बनाते हुए मनुष्य के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित एवं परिमार्जित करता है।

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

कार्यक्रम का संचालन एवं स्वागत परिचय बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने किया जबकि अध्यक्षीय उद्‌बोधन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष **डॉ. आरती सिंह** ने, तथा आभार ज्ञापन सहायक आचार्य **डॉ. सुधा शुक्ल** ने दिया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

ASingh

डॉ. अभिषेक सिंह
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी